

अलंकरण पुं. (तत्.) 1. सजावट 2. शृंगार 3. आभूषण
4. किसी अति विशिष्ट, गुण, प्रतिभा या कार्य
के लिए पदक से सम्मनित किया जाना।

अलंकरिष्णु वि. (तत्.) 1. आभूषणों को चाहने
वाला 2. आभूषणों से सुशोभित करने में निपुण।

अलंकर्ता वि. (तत्.) सजावट करने वाला, शोभित
करने वाला, अलंकृत करनेवाला।

अलंकार पुं. (तत्.) 1. शोभावर्धक 2. आभूषण,
गहना, जेवर 3. काव्य की शोभा बढ़ाने वाली
युक्ति-प्रयुक्ति।

अलंकारक वि. (तत्.) अलंकृत करने वाला।

अलंकार विधान पुं. (तत्.) काव्य के अलंकारों
का साभिप्राय प्रयोग।

अलंकारशास्त्र पुं. (तत्.) वह शास्त्र जिसमें अलंकारों
की परिभाषा, विवेचन आदि किया जाता है।

अलंकार संप्रदाय पुं. (तत्.) साहित्य शास्त्रियों
का वह संप्रदाय जो अलंकार/अलंकरण को ही
साहित्य की आत्मा मानता है।

अलंकार सिद्धांत पुं. (तत्.) अलंकार को ही
काव्य की आत्मा मानने का काव्यशास्त्रीय मत।

अलंकार्य वि. (तत्.) 1. सुशोभित करने योग्य 2.
काव्य. वह अर्थ जिसे प्रकट करने के लिए
अलंकारों का प्रयोग किया जाता है।

अलंकृत वि. (तत्.) 1. विभूषित, सजाया हुआ,
शोभित, सजा हुआ 2. अलंकार-युक्त।

अलंकृति स्त्री. (तत्.) 1. अलंकृत होने की
अवस्था 2. सजावट।

अलंग अव्य. (तत्.) किसी तरफ या ओर, दिशा।

अलंगनीय वि. (तत्.) 1. जिसे लाँघा न जा सके,
जो लंघनीय न हो, जिसे पार न किया जा सके,
पहुँच के बाहर 2. जिसे टाला न जा सके,
अनुल्लंघनीय।

अलंग्य वि. (तत्.) 1. जो लांघने योग्य न हो 2.
जो टालने योग्य न हो।

अलंपट वि. (तत्.) जो लंपट न हो, जो विषयी न
हो, सच्चरित्र पुं. स्त्री-कक्ष, अंतःपुर।

अलंबुषा स्त्री. (तत्.) 1. छुई मुई का पौधा 2.
प्रवेश निषेध के लिए बनाई गई रेखा 3.
विद्याधरी नामक अप्सरा।

अलंबुषा (नाड़ी) स्त्री. (तत्.) योग. मुख से गुदा
को मिलाने वाली नाड़ी दे. नाड़ी।

अलई स्त्री. (तत्.) एक काँटेदार लता, ऐल।

अलक पुं. (तत्.) 1. मस्तक पर लटकने वाले
बाल, लट, जुल्फ 2. महावर।

अलकत वि. (तत्.) 1. निरस्त 2. अस्वीकृत।

अलकतरा पुं. (अर.) दे. तारकोल (कोलतार)।

अलकनंदा स्त्री. (तत्.) हिमालय में सतोपंथ-
बदरीनाथ से निकलने वाली एक नदी जो
देवप्रयाग में भागीरथी से मिल जाती है।

अलकरचना स्त्री. (तत्.) केश की शृंगार रचना,
केशलटों को सुंदर बनाना।

अलकलडैता वि. (तद्.+देश.) [अलक बालक+
लडैल] लाइला (बालक), प्रिय, दुलारा स्त्री.
अलकलडैती।

अलकसंहति स्त्री. (तत्.) 1. बालों का समूह,
लटें, अलकावलि 2. बाल सँवारने की पद्धति,
केशभूषण।

अलक सलोना वि. (तत्.) दे. अलकलडैता।

अलका स्त्री. (तत्.) 1. (कैलाश पर्वत के निकट
स्थित) कुबेर की राजधानी अलकापुरी 2. आठ
से दस वर्ष तक की कन्या।

अलकाधिप पुं. (तत्.) अलका के अधिपति दे.
अलकापति

अलकाब पुं. (अर.) लकब (आधि) का बहु. 1.
उपाधियाँ, पदवियाँ, प्रशस्तियाँ 2. पत्र, अभिनंदन
आदि के प्रारंभ में गुणगान युक्त शब्दावली।

अलकापति पुं. (तत्.) अलकापुरी के राजा कुबेर,
यक्षेश्वर।